Title: Need to establish Himachal Regiment in Indian Army.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि.प्र.) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से रक्षा मंत्री का ध्यान हिमाचल प्रदेश की तरफ आकृट करना चाहता हूं। हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी और सीमावर्ती प्रदेश है जहां के नौजवान बड़ी संख्या में सशस्त्र सेनाओं में भर्ती होते हैं। पाकिस्तान, चीन और हाल ही में कारगिल में जो लड़ाइयां हुई, उन लड़ाइयों में उन्होंने अपने शौर्य और निठा के साथ बहुत से पदक प्राप्त किए हैं। देश की कुल जनसंख्या के एक प्रतिशत से भी कम हिमाचल प्रदेश के लोग सेना में हैं, जबकि उनका देश के प्रति बलिदान कई गुना है। यदि आंकड़ों पर दृटि डालें, तो मालूम होगा कि कारगिल आपरेशन में जिन लोगों ने अपने बलिदान दिए उनमें हिमाचल प्रदेश के 10 प्रतिशत वीर शहीद हुए।

मेरा निवेदन है कि सरकार ने जनसंख्या के आधार पर भर्ती करने के जो नियम बनाए हैं, उनका बहुत बड़ा दुप्रभाव हिमाचल प्रदेश पर पड़ा है। इस कारण हिमाचल प्रदेश के जहां पहले बहुत बड़ी संख्या में नौजवान सेना में जाते थे, लेकिन अब जनसंख्या के आधार पर भर्ती होने के कारण उनमें काफी कमी आई है। इसलिए मेरा निवेदन है कि इस स्थिति को बदला जाए और ऐसे प्रदेशों में, जहां के नौजवानों में सेना में जाने की ललक है, इच्छा है, वहां भर्ती का कोटा बढ़ाया जाए और इसमें विशेष रूप से मैं हिमाचल प्रदेश से सेना में भर्ती का कोटा बढ़ाने का आग्रह कर रहा हूं।

दूसरा निवेदन है कि भारतीय सेना में प्रदेशों अथवा जाति के नाम पर अनेक रैजीमैंट बनी हैं, जैसे जाट रैजीमैंट, डोगरा रैजीमैंट, राजपूत रेजीमेंट, पंजाब रेजीमेंट तथा और बहुत से नाम ऐसे हैं, जो जाति अथवा प्रदेश के नामों के ऊपर रखे गए हैं, लेकिन हिमाचल प्रदेश की भी एक रैजीमैंट बनाने की मांग मैं बहुत वर्षों से करता आ रहा हूं, किन्तु अभी तक उसका निर्माण नहीं किया गया है, जबकि हिमाचल प्रदेश की विधान सभा ने भी इस संबंध में एक सर्वसम्मत रैजोल्यूशन पास करके भारत सरकार को भेजा है।

मेरा भारत सरकार से निवेदन है कि हिमाचल प्रदेश की अलग से रैजीमैंट बनाने की दृटि से तुरंत कदम उठाए जाएं क्योंकि कारगिल युद्ध में मिले कुल 4 परमवीर चक्रों में से 2 हिमाचल प्रदेश के वीर सैनिकों को मिले हैं। पहला परमवीर चक्र मेजर सोमनाथ शर्मा, जो हिमाचल प्रदेश से संबंधित थे, उनको मिला था। अब तक हिमाचल प्रदेश के रणबांकुरों को 15 महावीर चक्र, 14 कीर्ति चक्र, 67 वीर चक्र, 47 शौर्य चक्र और बहादुरी के अनेक विशिट सेवा पदक हमारे सैनिकों ने प्राप्त किए हैं। इस सारे इतिहास को देखते हुए वहां के लोगों की भारतीय सेना में भर्ती का कोटा बढ़ाने की मांग और रैजीमैंट स्थापित करने की मांग मैं आदरणीय रक्षा मंत्री महोदय से कर रहा हूं। मेरा आग्रह है कि इन दोनों मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाए।